क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक क्रांति समय

RNI.No.: GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 194, मंगलवार, 07 अगस्त, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

15 अगस्त को खास बनाना चाहती है मोदी सरकार, प्रधानमंत्री के भाषण के लिए तैयार की टीम

नेशनल डेस्क। मोदी सरकार इस बार स्वतंत्रता दिवस को यादगार बनाना चाहती है। 15 अगस्त को वर्तमान एनडीए सरकार के मुखिया के तौर पर लाल कीला से दिया जाने वाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आखिरी भाषण होगा। ऐसे में सभी की नजरें उनके इस भाषण पर होगी । माना जा रहा है कि 2019 में होने वाले आम चुनावों को लेकर प्रधानमंत्री कुछ बड़ा एलान कर सकते हैं। जिसे देखते हुए सरकार ने एक टीम बनाई है जो पीएम के भाषण के लिए कंटेंट तैयार करेगी। खबरों के अनुसार पीएम नहीं चाहते कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश के नाम संबोधित भाषण बोझिल हो। माना जा रहा है कि सरकार देश के सामने एक अलग तरीके का रिपोर्ट कार्ड पेश करना चाहती है। जिसमें 4 साल के कार्यकाल का लेखा-जोखा पेश किया जाएगा। यह रिपोर्ट कार्ड 2019 के आम चुनावों में मोदी सरकार के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है जिसे लेकर वरिष्ठ मंत्रियों के समूह को भाषण की जिम्मेदारी दी गई है। मंत्रियों के समूह में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज, सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, कार्यकारी वित्त मंत्री पीयूष गोयल शामिल हैं। इसके अलावा अन्य संबंधित मामले से जुड़े लोगों से संवाद किया जा रहा है। आम तौर पर कैबिनेट स्तर के सचिव ही अपने स्तर पर भाषण के लिए इनपुट देने का काम करते थे। बता दें कि स्वतंत्रता दिवस पर पीएम भाषण के जरिए अपनी सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियों का जिक्र करते हैं। उन्होंने लाल किले से किए राष्ट्र के नाम संबोधन में स्वच्छ भारत मिशन, तीन तलाक जैसे मुद्दों को उठाया है। गौरतलब है कि पीएम ने अपने भाषण के लिए इस साल भी जनता से सुझाव मांगे हैं। हाल ही में उन्होंने ट्वीट कर कहा कि इस 15 अगस्त 2018 को मेरे स्पीच के लिए आप अपने राय और विचार भेज सकते हैं। उन्होंने लिखा था कि आप अपने खासतौर से बने फोरम नरेंद्र मोदी ऐप पर शेयर करें। मैं आपके सुझावों के मिलने का इंतजार करुंगा।

सोनिया गांधी, एचडी देवगौड़ा और मैं विपक्ष को कर सकते हैं एकजुट: शरद पवार

नई दिल्ली।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने प्रस्ताव रखा कि यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा और वे तीन वरिष्ठ नेता और 2019 की लोकसभा चुनाव में भाजपा को पटखनी देने के लिए सभी विपक्षी दलों को एक कर सकते हैं। पवार ने कहा कि हम तीनों वरिष्ठों नेताओं की पीएम बनने की कोई महत्वकांक्षा नहीं है। हमने लोकसभा चुनाव 2019 के लिए विपक्षी एकता का रोडमैप बनाया है। आज की स्थिति 1975-1977 जैसी है। पीएम मोदी के खिलाफ आज वैसा ही माहौल है जैसा इंदिरा गांधी के खिलाफ था। -महागठबंध का नेतृत्व कौन करेगा इसका फैसला चुनाव के बाद होना चाहिए, पहले नहीं। हम बसपा को महाराष्ट्र में एनसीपी-कांग्रेस गठबंधन में शामिल होने के लिए न्योता देते हैं। अगर मायावती साथ आती हैं तो हमें खुशी होगी और विपक्ष को इसका फायदा भी होगा। राहुल गांधी में काफी बदलाव और सुधार हुआ। वे अब एक परिपक्क वक्ता की तरह बात करते हैं। पिछले दिनों उन्होंने सदन में जो बोला वो देश की आवाज थी।

सभी दलों को साथ लाने के लिए मैं, सोनिया गांधी, एचडी देवगौड़ा पूरे भारत में यात्रा कर सकते हैं। साथ ही लोगों को शरद ने राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की बजाए राज्य स्तर पर गठबंधन पर जोर देते हुए कहा कि इससे पार्टियां मजबूत होंगी। केरल, पश्चिम बंगाल और दिल्ली जैसे राज्य में कांग्रेस को नेतृत्व देना चाहिए क्योंकि यहां अन्य दलों को एक साथ लाना आसान होगा। केरल और पश्चिम बंगाल में राहुल को नेताओं से बात करनी होगी। उल्लेखनीय है कि शरद पवार से पहले ममता बनर्जी भी संकेत दे चुकी हैं कि वे पीएम पद की रेस में नहीं हैं बल्कि पीएम मोदी को हराने के लिए आगे हैं। वहीं हाल ही में राहुल गांदी ने भी कहा था कि वे प्रधानमंत्री उम्मीदवार की घोषणा चुनावों के बाद करेंगे। ऐसे में एक बार राजनीतिक गलियारें में चर्चा शुरू हो गई है कि सभी वरिष्ठ नेताओं ने खुद को पीएम पद से दूर कर लिया है तो क्या राहुल गांधी ही कमान संभालेंगे। हालांकि अभी कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती सभी दलों को अपने साथ बनाए रखने में है।

प्रमुख छावनी क्षेत्रों के सभी 39 सैन्य फार्म बंद करेगी सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने देश में प्रमुख छावनी क्षेत्रों में 20,000 एकड़ भूमि में फैले सभी 39 सैन्य फार्मों को बंद करने का फैसला किया है। रक्षा राज्य मंत्री डॉ सुभाष भामरे ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि सैन्य फार्म बंद करने का फैसला इसलिए किया गया क्योंकि इससे सशस्त्र बलों की वार्षिक मांग की केवल 14 प्रतिशत ही पूर्ति हो पा रही थी। उन्होंने बताया कि सैन्य फार्मों के सभी मवेशियों को 1000 रुपए प्रति पशु की सांकेतिक दर से केंद्र और राज्य सरकार के विभागों या राज्य दुग्ध सहकारी समितियों को दिया जाना है। एक प्रश्न के लिखित जवाब में भामरे ने बताया कि सैन्य फार्मों के पूरी तरह बंद हो जाने के बाद इस विषय पर सरकार के वर्तमान आदेशों के अनुसार, सभी अफसरों और कर्मचारियों को पुनर्समायोजित या पुनर्तैनात किया जाएगा।

शहीदों के परिवारों को आर्थिक मदद के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शुरू की मुहिम

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर पुलिस ने राज्य में आतंकवाद से लड़ाई में शहीद हुए 499 विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) के परिवारों को आर्थिक सहायता मुहैया कराने के लिए लोगों से चंदा एकत्र करने की एक मुहिम की शुरुआत सोमवार को कर दी।पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस महानिदेशक एसपी वैद ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों से चंदा इकट्ठा करने के लिए ट्विटर पर सुबह आठ बजे अभियान शुरू किया। अधिकारी ने कहा कि हमारे 499 एसपीओ ने ड्यूटी के दौरान अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके परिवारों की देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है।उन्होंने बताया कि यह चंदा एकत्रित करना इन शहीदों और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का हमारा छोटा-सा प्रयास है। उन्होंने बताया कि मिलने वाले धन का उपयोग मारे गए एस.पी.ओ. के परिवार वालों के पुनर्वास, उनके बच्चों को शिक्षा देनेए उनके पेशेवर पाठ्यक्रमों एवं प्रतियोगी परीक्षा के लिए कोचिंग देने के वास्ते किया जाएगा।

अनुच्छेद 35 ए को लेकर कश्मीर के व्यापारियों का यू.एन. मार्च नाकाम, दर्जनों गिरफ्तार

श्रीनगर ।

अनुच्छेद 35 ए के मामले को लेकर श्रीनगर में सोमवार को पुलिस ने कश्मीर आर्थिक गठबंधन (के.ई.ए.) के संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यू.एन.) की ओर मार्च को नाकाम कर दिया और गठबंधन के सह-अध्यक्ष फारुक अहमद डार को उनके दर्जनों साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया। के.ई.ए. ने आज जम्मू-कश्मीर में विशेष स्थिति (अनुच्छेद 35 ए) पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के खिलाफ यू.एन. मार्च का आह्वान किया था। हाथों में तख्तियां और नारेबाजी करते हुए फारुक अहमद डार के नेतृत्व में सैंकडों व्यापारी श्रीनगर के मौलाना आजाद रोड़ पर इकट्ठा हुए और धरना प्रदर्शन करने के बाद यू.एन. कार्यालय की ओर मार्च करने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की कोशिश को नाकाम कर दिया और दर्जनों लोगों को गिरफतार कर लिया। के.ई.ए. सह अध्यक्ष फारुक अहमद डार, के.टी.एम.एफ. के पूर्व अध्यक्ष हाजी मोहम्मद सादिक बकाल, के.ई.ए. उपाध्यक्ष ऐजाज शहदार, जे.के.सी.सी.सी.सी. मुख्य संयोजक हाजी नजीर अहमद जरगर, वरिष्ठ नेता तस्सदुक हुसैन लावे, सचिव अरशिद अहमद भट्ट, वरिष्ठ नेता हाजी निसार और मेहराज उद्दीन सहित दर्जनों प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। इससे पहले फारुक अहमद डार ने पत्रकारों को बताया कि हमारे गुट ने आज अनुच्छेद 35 ए को रद्द करने के प्रयास के खिलाफ विरोध दर्ज करने के लिए लालचौक से यू.एन. कार्यालय की ओर मार्च और वहां इस मुद्दे पर ज्ञापन सौंपने का आह्वान किया था। डार ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विशेष स्थिति (अनुच्छेद 35 ए) को रद्द करना जम्मू कश्मीर की स्वायत्तता पर प्रत्यक्ष हमला है। उन्होंने केन्द्रीय सरकार पर आर.एस.एस. का एजेंडा लागू करने का आरोप लगाया क्योंकि वह अनुच्छेद 370 को रद्द करने पर तुले हैं।

अमरीका में सिख से मारपीट, कहा- अपने देश वापस जाओ

न्यूयॉर्क।

अमरीका में भारतीय के ससाथ फिर स्लीय भेदभाव का मामला लामने आया है। कैलिफॉर्निया में दो श्वेत लोगों ने नस्लीय टिप्पणी करते हुए 50 वर्षीय सिख व्यक्ति के साथ कई बार मारपीट की और कहा, 'तुम्हारा यहां स्वागत नहीं है। अपने देश वापस जाओ।' अधिकारियों ने बताया कि पुलिस इस जघन्य घृणा अपराध की जांच कर रही है। समाचार पत्र द सैक्रोमेंटो बी ने पुलिस के हवाले से बताया कि यह घटना पिछले हफ्ते कैलिफॉर्निया में केयेस और फुटे रोड चौराहे पर हुई। स्टॉनिसलॉस काउंटी के शेरिफ ऐडम क्रिस्टियनसन ने कहा कि इस हमले की घृणा अपराध के तौर पर जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, 'सिख समुदाय के एक सदस्य के खिलाफ यह घृणित अपराध है।' शेरिफ सर्जेंट टॉम लेत्रास ने बताया कि पीड़ित स्थानीय प्रत्याशी के प्रचार के लिए कुछ लगा रहा था तभी दो श्वेत व्यक्तियों ने उसकी पिटाई की। पिछले कुछ वर्षों में कैलिफॉर्निया में सिख समुदाय के खिलाफ घृणा अपराध बढ़ गए हैं। इस राज्य में सिखों की सबसे बड़ी आबादी रहती है।

मुजफ्फरपुर कांड पर बोले नीतीश- लोगों की भावना से विपक्ष को कोई मतलब नहीं

पटना।

मुजफ्फरपुर कांड में विपक्ष की आलोचना झेल रहे सीएम नीतीश कुमार ने आज संवाद कार्यक्रम के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि यह घटना शर्मसार करने वाली है। अब पटना हाईकोर्ट सीबीआई जांच की मॉनिटरिंग करेगा। दोषी कोई भी हो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। तेजस्वी यादव के जंतर-मंतर पर धरने को लेकर नीतीश कुमार ने कहा कि विपक्ष केवल राजनीति कर रहा है। उनके कैंडल मार्च को देखकर हैरानी हुई। नारी के सम्मान के लिए धरना देने वाले हंस रहे थे। विपक्ष को लोगों की भावना से कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को जितना बोलना हैं वो बोल सकते हैं। बयानबाजी करने के लिए सब स्वतंत्र हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष हमेशा आरोप लगाता है कि सरकार कुछ कर नहीं रही, तो उनको बता दें कि हमारी सरकार की जांच के बाद ही पूरे मामले का

खुलासा हुआ है। मुजफ्फरपुर कांड को लेकर राज्य में गलत वातावरण बनाया जा रहा है। हमारी सरकार कभी भी इस मामले में चुप नहीं थी। सीबीआई से मामले की जांच करवाई जा रही है। दोषी कोई भी हो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

आबादी के हिसाब से हर जाति को आरक्षण मिले :रामगोपाल

.नई दिल्ली।

समाजवादी पार्टी (सपा)के रामगोपाल गोपाल यादव ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि देश में सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों को आरक्षण से वंचित करने का काम अदालतें करती हैं, इसलिए पहले आरक्षण न्यायपालिका में लागू किया जाना चाहिए। यादव ने कहा कि देश में हर जाति को उसकी आबादी के हिसाब से आरक्षण दे दिया जाना चाहिए, तब आरक्षण को लेकर विवाद ही खत्म हो जाएगा। सदन में पिछड़ा आयोग को संवैधानिक दर्जा देने वाले संविधान संशोधन विधेयक राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग विधेयक (निरस्त) 2017 पर चर्चा में भाग लेते हुए यादव ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि उन्हें आशंका है कि इस विधेयक के कानून बनने से अन्य पिछड़ा वर्ग पर होने वाले अत्याचार रुक नहीं पाएंगे क्योंकि आप कितने भी आयोग बना लें, न्यायपालिका के निर्णय इसे बदल देंगे। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने यह व्यवस्था दी है कि अगर आरक्षित वर्ग का कोई उमीदवार मेरिट लिस्ट में भी टॉप करता है तो उसे आरक्षित वर्ग में ही नौकरी मिलेगी न कि सामान्य वर्ग में। इसका मतलब यह हुआ कि देश की 85 प्रतिशत आबादी को तो 49.5 प्रतिशत तक ही आरक्षण मिलेगा जबकि देश के 15 प्रतिशत वर्ग को 50 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। यादव ने यह भी कहा कि आरक्षित वर्ग का कोई अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा में चुन भी लिया जाता है तो उसे प्रशिक्षण के लिए भेजा नहीं जाता। ऐसा सैकड़ों उमीदवारों के साथ होता हैं। उन्होंने अपना निजी अनुभव बताते हुए कहा कि उनके एक परिचित के पुत्र के साथ ऐसा ही हुआ, तब मुलायम सिंह यादव ने गृह मंत्री से कहा, तब उस उमीदवार को प्रशिक्षण के लिए भेजा गया।

सपा सदस्य ने कहा कि इसलिए ही पहले न्यायपालिका में आरक्षण होना चाहिए नहीं तो आयोग बनाने से कुछ नहीं होगा, न्यायपालिका तो मंत्रिमंडल के फैसले को उलट देती है। कांग्रेस के बी के हरिप्रसाद ने आयोग में एक महिला को सदस्य बनाने के प्रावधान का स्वागत किया लेकिन यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी तो आरक्षण का विरोध करती है, इस देश में आरक्षण को लागू करने का काम कांग्रेस ने किया है।

भाजपा के छत्रपति समभा जी साहू ने कहा कि साहू जी महाराज ने आज से 172 साल पहले पहली बार देश में आरक्षण को लागू किया था,उसमें मराठा भी शामिल थे लेकिन बाद में महाराष्ट्र में मराठों को आरक्षण से वंचित कर दिया गया, अब फिर मराठा आरक्षण की मांग कर रहे हैं। अन्नाद्रमुक के नवनीत कृष्णन ने तमिलनाडु में 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण दिए जाने के लिए पूर्व मुयमंत्री जयललिता को श्रेय दिया।

तृणमूल के अहसान हसन ने कहा कि विधेयक में राज्यों के अधिकार छीने गए हैं, इसलिए उनकी पार्टी ने संसदीय स्थाई समिति में असहमति नोट दिया।

संक्षिप्त समाचार

OBC आयोग संवैधानिक दर्जा विधेयक राज्यसभा में पास

नेशनल डेस्क। राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग को संवैधानिक दर्जा देने वाला बिल आज लोकसभा में पास होने के बाद राज्यसभा में पास हो गया। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह विधेयक कानूनी रूप ले लेगा। इस बिल में सरकार ने कुछ संसोधन किये हैं, जिसमें आयोग में महिला सदस्य को भी शामिल किया गया है। साथ ही राज्यों के अधिकारों में हस्तक्षेप को लेकर विपक्ष की शंका को भी दूर करने का प्रयास किया गया है। कांग्रेस सदस्यों ने राज्यसभा में भी इस बिल का समर्थन किया है। मोदी सरकार इससे पहले पिछले वर्ष इस बिल को लेकर आई थी। लेकिन राज्यसभा में बहुमत न होने से यह बिल पास नहीं हुआ और सरकार को किरकिरी झेलनी पड़ी थी। हालांकि सरकार ने विधेयक में कुछ संसोधन कर दोबारा पेश करना पड़ा। इससे पहले लोकसभा में यह बिल 406 वोटों के साथ सर्वसम्मति से पास हो गया था। लेकिन राज्यसभा में पर्याप्त बहुमत न होने के कारण सरकार संशय में थी। वहीं कांग्रेस ने बिल को समर्थन कर सरकार की मुश्किलों को दूर कर दिया। इस विधेयक के पास होने से अब सामाजिक एवं शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों के लिए राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग बनेगा। इस आयोग में एक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और तीन अन्य सदस्य होंगे। इस प्रकार नियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अन्य सदस्यों की सेवा शर्तों एवं पदावधि के नियम राष्ट्रपति के अधीन होंगी। आयोग अपनी स्वंय की प्रक्रिया निर्धारित करने की शक्ति होगी। बता दें कि 1993 में गठित पिछड़ा वर्ग आयोग अभी तक सिर्फ सामाजिक और शैक्षणिक आधार पर पिछड़ी जातियों को पिछड़े वर्गों की सूची में शामिल करने या पहले से शामिल जातियों को सूची से बाहर करने का काम करता था।

वायु प्रदूषण: दिल्लीवासियों के आए अच्छे दिन

नेशनल डेस्क। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री डा हर्ष वर्धन ने आज राज्यसभा में कहा कि राजधानी दिल्ली की वायु गुणवत्ता में कुल मिलाकर सुधार हुआ है और प्रदूषण के लिहाज से दिल्ली में अच्छे दिनों की संख्या बढी है। डा हर्ष वर्धन ने पूरक प्रश्नों के जवाब में बताया कि 2017 में दिल्ली में वायु गुणवत्ता में कुल मिलाकर सुधार देखने को मिला है। वायु गुणवत्ता सूचकांक के अनुसार वर्ष 2017 में अच्छे, संतोषजनक और सामान्य दिनों की संख्या 151 रही जबकि 2016 में यह 109 थी। इसी तरह खराब, बहुत खराब और अत्यंत खराब दिनों की संख्या में 2016 की तुलना में 2017 में कमी आयी है। वर्ष 2016 में यह संख्या 214 थी जो 2017 में घटकर 180 दिन रह गयी। उन्होंने बताया कि मौजूदा वर्ष में वायु गुणवत्ता में और ज्यादा सुधार हुआ है। वर्ष 2017 में जुलाई तक अच्छे, संतोषजनक और सामान्य दिनों की संख्या 87 थी जो इस वर्ष जुलाई तक बढकर 96 पहुंच गयी। इसी तरह 2017 में खराब, बहुत खराब और अत्यधिक खराब दिनों की संख्या 125 थी जो इस वर्ष कम होकर 116 रह गयी है। डा हर्ष वर्धन ने सदस्यों को जानकारी दी कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के 20 शहरों में कराये गये स्वास्थ्य सर्वेक्षण से पता चला है कि देश में प्रदूषण के कारण होने वाले रोगों में 23.4 प्रतिशत की कमी आयी है। एक अन्य प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि देश में वन क्षेत्र में 7000 वर्ग किलोमीटर की बढोतरी हुई है। मंत्रालय 102 शहरों में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम चला रहा है।

22 हजार सैलरी वाले निगम कर्मी के घर से करोड़ों की संपत्ति बरामद

इंदौर । मध्य प्रदेश में नगर निगम के एक कर्मचारी की काली कमाई का लोकायुक्त पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। इंदौर में पुलिस ने कर्मचारी असलम खान के 5 ठिकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में कैश और ज्वेलरी बरामद की है। जैसे ही पुलिस माणिकबाग ब्रिज के पास अशोका कॉलोनी के मकान नंबर 129-130 में घुसी तो सनसनी मच गई। पुलिस को असलम के घर से 15 लाख रुपए कैश, 5 लाख रुपए की कीमत के बकरे और 6 गाड़ियां भी मिली। असलम खान के खिलाफ शिकायत मिलने पर ये कार्रवाई की गई है। खान ने घर के अंदर ही आलीशान थियेटर भी बना रखा है। 22 हजार रुपए का वेतन पाने वाले असलम खान के घर करोड़ों रुपए की संपत्ति देख लोकायुक्त पुलिस टीम भी हैरान रह गई।

जल्द मिलेंगी भारत को 400 आधुनिक तोपें, होंगी पाक-चीन सरहदों पर तैनात

नई दिल्ली। पाकिस्तान और चीन की सरहद पर भारत आधुनिक तोपें तैनात करेगा। इसके लिए भारतीय सेना को इस समय 400 से भी ज्यादा तोपों की जरूरत है। पाक-चीन सीमाओं पर तैनात की जाने वाली तोपें हर मौसम में कारगर साबित होंगी । इन्हें अत्यधिक ऊंचाई से लेकर रेगिस्तान या फिर बर्फीले पहाड़ों पर तैनात किया जाएगा। भारतीय सेना के बेड़े में शामिल हो रही सभी तोपें मेक इन इंडिया के तहत तैयार की जा रही हैं। भारतीय सेना को 145 तोपों को मिलने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा गया है। मई 2018 में धनुष 155/45 कैलिबर वाली तोप का यूजर ट्रायल पोखरण में हो चुका है।आर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड को कहा गया है कि 114 तोपों को जल्द तैयार करके भारतीय सेना को सुपुर्द करे। के-9 वज्र 155 एमएम /52 कैलिबर की होवित्जर तोप है। इसे साउथ कोरिया तैयार करके 100 की संख्या में भारतीय सेना को देगा। इसीलिए मेक इन इंडिया के तहत एलएनटी कंपनी पार्टनरशिप के तहत 2019 नवंबर तक इसे तैयार करके देगी।पहली 10 तोप नवंबर 2018 तक आनी है। इसके बाद 40 तोप 2019 के नवंबर महीने तक और उसके बाद 2020 तक भारतीय सेना को मिलेंगी। अमरीका के साथ काफी हल्के वजन वाले 145 होवित जर तोपों रू777 के सौदे के बाद 2 तोपें भारत आ चुकी हैं। वहीं 2019 के मार्च से लेकर 2021 के जून के बीच हर महीने 5-5 तोपें आएंगी। अल्ट्रा लाइट होवित्जर तोपों को भारत में चीन की सीमा के निकट और अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। एटीएजीएस डीआरडीओ द्वारा तैयार की जा रही आर्टिलरी गन है जिसे भारत फोर्स के साथ मिलकर तैयार किया जा रहा है। इसकी रेंज 45 किलोमीटर है और एक जगह से दूसरे जगह आसानी से ले जाया सकता है।

संपादकीय

गडकरी की सही बात

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने यह बात तो पते की कही कि आरक्षण नौकरी की गारंटी नहीं है, लेकिन उनकी यह साफगोई मोदी सरकार के समक्ष मुसीबत खड़ी कर सकती है, क्योंकि उन्होंने यह भी कहा कि नौकरियां घटती जा रही हैं। उनकी ओर से यह साफ किया गया कि एक तो सूचना-तकनीक के कारण नौकरियां कम हो रही हैं और दूसरी ओर सरकारी भर्तियां बंद हैं। इसका तो यही मतलब हुआ कि सरकार अपनी जिम्मेदारियां कम करके निजीकरण की ओर बढ़ रही है। निन्संदेह यह चलन नया नहीं। पूरी दुनिया में यही हो रहा है, क्योंकि निजी क्षेत्र के मुकाबले सरकारी क्षेत्र अकुशल साबित होने के साथ ही लोगों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पा रहा है। शायद इसी कारण केंद्र और राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों में लाखों पद रिक्त हैं, लेकिन आखिर इन लाखों रिक्त पदों के रहते यह दावा कैसे किया जा सकता है कि पर्याप्त संख्या में रोजगार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह समय की मांग और जरूरत है कि केंद्रीय सत्ता अपनी रोजगार नीति को लेकर कोई संशय न रखे और इसे बार-बार दोहराने में संकोच न करे कि आज के युग में कोई भी सरकार अपने बलबूते सबको नौकरियां नहीं उपलब्ध करा सकती। इससे सभी को अवगत भी होना चाहिए कि रोजगार का मतलब केवल नौकरियां और वह भी सरकारी नौकरियां नहीं होता और न हो सकता है। जब सरकारी नौकरियों में कमी एक सच्चाई है तब सरकार को यह देखना होगा कि निजी क्षेत्र रोजगार देने के मामले में समावेशी दृष्टि से लैस नजर आए। 1यह भी आज का यथार्थ है कि आर्थिक आधार पर आरक्षण आवश्यक होता जा रहा है। यह अच्छा है कि नितिन गडकरी आर्थिक आधार पर आरक्षण को वक्त की जरूरत बता रहे हैं, लेकिन आखिर कब तक केवल सुझाव और सलाह देने तक सीमित रहा जाएगा? आखिर इस दिशा में सरकार की ओर से कोई ठोस पहल क्यों नहीं होती? यह ठीक है कि संविधान में आर्थिक आधार पर आरक्षण की व्यवस्था नहीं, लेकिन क्या यह व्यवस्था पत्थर की लकीर है? क्या जातिगत के साथ आर्थिक आधार पर भी आरक्षण की गुंजाइश नहीं बनाई जा सकती? भाजपा समेत अन्य राजनीतिक दल नीर-क्षीर ढंग से विचार करें तो एक प्रभावी और कहीं अधिक सार्थक आरक्षण की व्यवस्था का निर्माण संभव है। समस्या यह है कि राजनीतिक दलों ने आरक्षण को वोट बैंक की राजनीति का औजार बना लिया है। वे न तो आरक्षण की समीक्षा कर यह देखने को तैयार हैं कि उससे अब तक क्या हासिल हुआ और न ही जमीनी हकीकत देखने के लिए। वे बिना किसी ठोस आधार गैर-बराबरी, गरीबी आदि का जिक्र इस तरह करते रहते हैं मानों सामाजिक विषमता और निर्धनता के मामले में देश वहीं खड़ा है जहां 1960-70 के दशक में था। खराब बात यह है कि ऐसा भी माहौल बनाया जाता है कि आरक्षण सभी समस्यायों का समाधान है। दरअसल इसी कारण आरक्षण की अनुचित मांगें सामने आती हैं। आज जब आंकड़े यह बता रहे हैं कि असमानता और निर्धनता निवारण में उल्लेखनीय कामयाबी मिल रही है तब फिर रोजगार और आरक्षण नीति को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जाना चाहिए।

प्रियंका के आने से

राजनीति/अवधेश कुमार

1999 के आम चुनाव में उन्होंने एक भाषण दिया था तब अमेठी से राहुल नहीं, सतीश शर्मा लड़ रहे थे। उन्होंने अरु ण नेहरू के खिलाफ भाषण दिया और लोगों से कहा कि जिस आदमी ने उनके पिता को धोखा दिया उसको आपने कैसे जिता दिया? माना जाता है कि इसका असर हुआ और अरु ण चुनाव हार गए। उसके बाद से अमेठी और रायबरेली में उन्हें हमने छोटी-छोटी सभाएं करते देखा है। हालांकि पिछले आम चुनाव में नरेन्द्र मोदी पर उन्होंने जो निजी आरोप लगाए, उससे उनकी छवि अच्छी नहीं बनी।

पहली बार है जब कांग्रेस के शीर्ष स्तर पर प्रियंका वाड्रा के सक्रिय राजनीति में आने पर गंभीरता से विचार हुआ है। अभी तक अलग-अलग समयों में निचले स्तर से नेताओं और कार्यकर्ताओं की ओर से उनको कांग्रेस में सक्रिय करने की मांग उठती रही है, पर कभी केंद्रीय नेतृत्व के बीच उन पर र्चचा नहीं हुई। पहले कांग्रेस के बड़े नेताओं का जवाब यह था कि वह अपने बच्चों पर ज्यादा ध्यान दे रहीं हैं और राजनीति में नहीं आना चाहतीं। बाद में यह कि इसका फैसला उन्हें स्वयं करना है। प्रियंका ने अपनी ओर से इस बारे में कोई बयान कभी नहीं दिया। हां, रॉबर्ट वाड्रा ने 2013 में अवश्य कहा कि वो राजनीति में आ सकतीं हैं। इसका बाद में प्रियंका ने खंडन कर दिया। प्रियंका की भूमिका सोनिया गांधी और राहुल गांधी के चुनावी क्षेत्र रायबरेली और अमेठी की देखभाल, चुनाव के समय वहां का प्रबंधन और प्रचार संभालने तक सीमित रहती थी। हालांकि पिछले आम चुनाव में वह रणनीतिक बैठकों से लेकर, घोषणा पत्र की तैयारी, राहुल एवं सोनिया की चुनावी सभाएं तय करने और सोशल मीडिया प्रचार में सक्रिय थीं। उस समय ऐसा लगने लगा था कि अब प्रियंका राजनीति में आ गई हैं। किंतु चुनाव के बाद वो रायबरेली और अमेठी के अलावा कहीं दिखीं नहीं। इस समय जो खबर है, उसके अनुसार कांग्रेस उनको रायबरेली से चुनाव लड़ाने पर विचार कर रही है। सोनिया का स्वास्य वैसा नहीं है कि पहले की तरह चुनाव प्रचार कर सकें। उन्होंने यह संकेत दिया है कि अब वो लोक सभा चुनाव नहीं लड़ना चाहतीं। हालांकि इस पर कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है, पर कांग्रेस पर नजर रखने वाले जानते हैं कि सोनिया काफी समय से इसका संकेत दे रहीं हैं। यहां तक कि जब पिछले फरवरी में उन्होंने विपक्षी नेताओं की बैठक बुलाई, उस समय भी यही सवाल उठा कि जब राहुल गांधी अध्यक्ष बन गए और सोनिया गांधी चुनाव तक न लड़ने पर विचार कर रहीं हैं तो यह बैठक उन्हें क्यों बुलानी पड़ी?बहरहाल, इतना साफ है कि सोनिया यदि चुनाव नहीं लड़ने का फैसला करतीं हैं तो फिर प्रियंका वहां से उम्मीदवार होंगी और इस तरह कांग्रेस में उनकी राजनीतिक सक्रियता आरंभ हो जाएगी। प्रियंका के उम्मीदवार बनने में अब कोई समस्या भी नहीं है। जब नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी थी तो वातावरण ऐसा था मानो प्रियंका के पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में तेजी से कार्रवाई होगी, वो जेल भी जा सकते हैं। भाजपा ने चुनाव में इसे एक बड़ा मुद्दा बनाया था। भय यही था कि अगर प्रियंका वाड्रा कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय हुई तो यह भाजपा के पक्ष में चला जाएगा। कांग्रेस के लिए रॉबर्ट वाड्रा के मामले में प्रियंका का बचाव कठिन होगा। हरियाणा और राजस्थान, जहां उन पर गलत तरीके से जमीन के सौदों में अकूत धन कमाने का आरोप था, भाजपा सरकार होते हुए भी जांच एवं कानूनी कार्रवाई इस अवस्था में नहीं पहुंची कि रॉबर्ट वाड्रा का कुछ बिगड़ सके। इसलिए अब कांग्रेस इस आशंका से मुक्त है। हालांकि आशंका यह भी है कि केंद्र सरकार प्रियंका के राजनीति में सक्रिय होने के साथ मामले को सीबीआई को सौंपकर जांच एवं कानूनी प्रक्रिया में तेजी लाए। किंतु कांग्रेस इस समय प्रियंका के मामले में रॉबर्ट को लेकर आशंकाओं की मनन्स्थिति से बाहर है। सच है कि प्रियंका ने कभी कांग्रेस की सक्रिय राजनीति में आने से मना नहीं किया। किंतु 10 जनपथ के सलाहकारों को लगता था कि उससे राहुल गांधी के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। प्रियंका ज्यादा प्रभावी होंगी तो राहुल का स्थान कांग्रेस में कहां होगा? आज राहुल अध्यक्ष बन चुके हैं तो उनको लाने में कोई समस्या नहीं है। अब प्रश्न है कि प्रियंका के आने से कांग्रेस के वर्तमान एवं भविष्य पर क्या कोई परिमाणात्मक बदलाव आ सकता है? कांग्रेस अपने जीवन काल के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। जद-से को इतनी सीटें आ गई कि वह कर्नाटक की साझा सरकार में शामिल है, अन्यथा देश के सभी बड़े राज्यों की सत्ता से वह बाहर हो जाती। अनेक राज्यों में उसे शून्य से संगठन का काम आरंभ करना है। पिछले मार्च की पार्टी का महाधिवेशन हो या हाल में संपन्न कांग्रेस कार्यसमिति की दो बैठकें, किसी से भी ऐसी उम्मीद पैदा नहीं हुई कि नेतृत्व ने ठोस कार्ययोजनाओं और संकल्पों के साथ कांग्रेस को अपने पैरों पर पुनन् खड़ा होने का निश्चय कर लिया है। पहले प्रियंका को लेकर पार्टी के अंदर एवं उनके समर्थकों की कल्पना थी कि उनमें इंदिरा गांधी की छवि दिखती है, इसलिए वह जनता के बीच जाएंगी तो उसका चमत्कारिक असर हो सकता है। हर निराश क्षणों में उनको पार्टी में लाने की मांग किसी न किसी कोने से अवश्य आई। वह जितनी आसानी से लोगों से घुलमिल जातीं हैं उतना राहुल नहीं। तो एक निष्कर्ष यह है कि दोनों भाई-बहन मिलकर एक-दूसरे की कमियों को पूरा करेंगे और पार्टी को उसका लाभ होगा। 1999 के आम चुनाव में उन्होंने एक भाषण दिया था तब अमेठी से राहुल नहीं, सतीश शर्मा लड़ रहे थे। उन्होंने अरु ण नेहरू के खिलाफ भाषण दिया और लोगों से कहा कि जिस आदमी ने उनके पिता को धोखा दिया उसको आपने कैसे जिता दिया? माना जाता है कि इसका असर हुआ और अरु ण चुनाव हार गए। उसके बाद से अमेठी और रायबरेली में उन्हें हमने छोटी-छोटी सभाएं करते देखा है। हालांकि पिछले आम चुनाव में नरेन्द्र मोदी पर उन्होंने जो निजी आरोप लगाए, उससे उनकी छवि अच्छी नहीं बनी। उन्होंने एक भाषण में कह दिया कि मोदी जी रात को बंद कमरे में छिपकर महिलाओं की बात सुनते हैं। इसका अच्छा संदेश नहीं गया। वह ऐसे समय राजनीति में पदार्पित होंगी, जब चुनाव का वातावरण है। कांग्रेस ज्यादातर राज्यों में सहयोगी दलों की बैसाखी पर चलने का निर्णय कर चुकी है। उत्तर प्रदेश में बसपा सपा के साथ गठबंधन का निर्णय हो चुका है। ये दोनों पार्टियां कांग्रेस को ज्यादा स्थान देने के लिए तैयार ही नहीं है और कांग्रेस ''मोदी हराओ' के एकमेव लक्ष्य के कारण इसे स्वीकार करने को विवश होगी। उसमें प्रियंका वाड्रा में जनता को आलोड़ित कर अपने पक्ष में करने की शक्ति का परीक्षण नहीं हो पाएगा। वैसे पिछले दो दशकों में उनको जितना सुना और देखा गया है, उसमें वैचारिकता, संगठन क्षमता और वक्तृत्व कला के रूप में किसी प्रकार की विशिष्टता का दशर्न नहीं हुआ है। इसलिए यह कहना मुश्किल होगा कि प्रियंका वाड्रा के आने से तत्काल कांग्रेस के चुनावी भविष्य में कोई चमत्कारिक अंतर आ जाएगा।

आज का राशिफल

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

लाईलाज हैं ये सब के सब

- डॉ. दीपक आचार्य

ऐसे में इन्हें घेर लेती हैं कुण्ठाएं। जहाँ मनोमालिन्य शुरू हो जाता है वहाँ वह सब दिखने लगता है जो अंधकार में ही हो सकता है। यह अंधकार इनमें वे सारे अवगुण भर देता है जिसकी वजह से जीवन में रोशनी आने के तमाम रास्ते बंद हो जाते हैं। तब इन्हें परिवेश में जो कुछ होता दिखता है उसे ये अपने कब्जे में लाने को लालायित रहने लगते हैं। यहीं से शुरू होती है दुःखी होने की यात्रा। औरों का हर सुख इन्हें दुःखी करता है और इनका दिन उगता ही है दुःखों की फेहरिश्त लेकर। रात को इन्हें सपने में भी दुःखी होने की आदत पड़ जाती है।

वे इसलिए दु:खी नहीं हैं कि भगवान ने उन्हें सुख नहीं दिया। उनका एकमात्र दु:ख यही है कि और लोग सुखी क्यों हैं। विशेषकर पावन कहे जाने वाले अपने क्षेत्र में ऎसे लोगों की जबर्दस्त भरमार है। जो बेचारे बहुत दु:खी हैं और उनके दु:ख का निवारण करने का सामर्थ्य किसी में नहीं है। सुख और दु:ख की प्राप्ति के पौराणिक मनोविज्ञान से नासमझ ये लोग कभी इस बात का चिंतन नहीं करते कि उनका दु:ख क्या है, इसका कारण क्या है और निवारण का तरीका क्या है। दु:खों के वैचारिक व्योम में सदैव दु:ख प्रकटाने वाले विचारों को लिए हुए ये लोग धीरे-धीरे इतने दु:खी होने लगते हैं कि इनका पूरा आभा मण्डल ही दु:खों के कई-कई आवरणों से ढक जाता है और इनका मौलिक सूक्ष्म शरीर भी दिखना बंद हो जाता है। जो जैसा चिंतन करता है वैसा स्थूल जगत उसके लिए तैयार हो जाता है और उन्हीं तरह के विचारों के अनुरूप उसके जीवन की दिशाएं और दशाएं निश्चित होती रहती हैं। जो किसी भी रूप में वर्तमान या भावी अथवा भूतकालीन दु:ख का चिंतन करता है, सूक्ष्म रूप में उसकी वैचारिक धारणाएं और क्रियाएं इन्हीं दु:खों में ढलने लगती हैं और बाद में मौका पाकर स्थूल आकार पा लेती हैं। इसके विपरीत जो लोग ईश्वरीय विधान को प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार कर दु:खों की बजाय सकारात्मक भावों और सुखों का चिंतन करते हैं उन्हें कालान्तर में सुखों की प्राप्ति होने लगती है। इस सकारात्मक चिंतन से उनका शरीर और आभामण्डल भी दिव्य हो उठता है और सदैव प्रसन्नता की भाव-धारा का प्रवाह बना रहता है। दूसरों के दु:ख से दु:खी और दूसरों के सुखों को देख सुखी होने वाला ही मनुष्य कहलाने के योग्य है। तभी महात्मा गांधी को यह भजन प्रिय था- '' वैष्णव जन तो तेने कहिये जै पीर पराई जाणे रे....।'' इसके ठीक उलट दूसरों के सुख से दु:खी होने वाले लोगों को क्या कहा जाना चाहिए, ये वे लोग ही तय करें जो ऎसा करते या करते रहें हैं। सुखों की प्राप्ति के लिए कठोर परिश्रम, ईमानदारी के साथ निरन्तर प्रयास, पुरातन श्रेष्ठ परंपराओं का अनुगमन और उच्च विचारों तथा शुचिता भरी जीवनयात्रा जरूरी है। जो लोग आज श्रेष्ठीजन कहे जाते हैं उन्होंने अपने जीवन में कितनी मेहनत की होती है, इससे इन दु:खी होने वालों को कोई सरोकार नहीं। दूसरों के सुख से दु:खी होने वाले लोगों को मनोरोगी की श्रेणी में रखा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। ये लोग न मेहनत करना चाहते हैं, न कर सकते हैं। ऎसे लोगों के जीवन में न नैतिकता होती है न ईमानदारी और न ही समाज के लिए जीने का ज़ज़्बा। इन लोगों का सर्वोपरि गुण होता है हड़प जाना और डकार भी न लेना। जिसे जो प्राप्त हुआ है, हो रहा है और होना है, वह उसके पूर्वजन्मों व वर्तमान की मेहनत का प्रतिफल होता है। हर मनुष्य को कर्मयोग करना चाहिए। इसके लिए पुरुषार्थ चतुष्टय धर्म, अर्थ, कर्म और मोक्ष की प्राप्ति का विधान है। लेकिन इन सभी को दरकिनार कर सिर्फ प्राप्ति ही प्राप्ति के पीछे पड़ जाने वाले लोग आसुरी वृत्तियों का दामन थाम लेते हैं और फिर इनके जीवन से शेष सारी अच्छाइयां और लक्ष्य पलायन कर जाते हैं। इन्हें हर संबंध और हर रास्ता आवक भरा ही लगता है। जो मिल जाए उसी में संतोष नहीं कर पाते, बल्कि ये चाहते हैं जिस तरह भी हो सके, जितनी जल्दी हो सके धन-दौलत का रास्ता उन्हीं के घर आकर समाप्त हो जाए। ऎसे में इन्हें घेर लेती हैं कुण्ठाएं। जहाँ मनोमालिन्य शुरू हो जाता है वहाँ वह सब दिखने लगता है जो अंधकार में ही हो सकता है। यह अंधकार इनमें वे सारे अवगुण भर देता है जिसकी वजह से जीवन में रोशनी आने के तमाम रास्ते बंद हो जाते हैं। तब इन्हें परिवेश में जो कुछ होता दिखता है उसे ये अपने कब्जे में लाने को लालायित रहने लगते हैं। यहीं से शुरू होती है दु:खी होने की यात्रा। औरों का हर सुख इन्हें दु:खी करता है और इनका दिन उगता ही है दु:खों की फेहरिश्त लेकर। रात को इन्हें सपने में भी दु:खी होने की आदत पड़ जाती है। ऎसे दु:खी लोगों को आप कितना ही कुछ समझा लें, इन उल्लूओं को कभी रोशनी का कतरा रास आता ही नहीं। इस किस्म के हर दु:खी इंसान का जिस्म भी दुर्गन्ध देने लगता है और बीमारियां घेर लेती हैं। इन आत्म-दुखियारों की पीड़ाओं का निवारण न लुकमान हकीम कर सकते हैं न भगवान या कोई और। इनके शरीर छोड़ने के बाद भी आत्मा दु:खों के पैगाम के साथ यहाँ-वहाँ भटकती रहती है और उन सभी ऎसे लोगों के इर्द-गिर्द मण्डराने लगती है जो दूसरों के सुख से दु:खी रहते हैं। इन्हें देख कर हम दु:खी न हों, इन पर तरस खाएं और यह मानकर आगे बढ़ चलें कि हमारे यहाँ पिशाचों और प्रेतों का वजूद हर युग में रहा है, और रहेगा।

विचार मंथन

प्राचीन महाकाव्य और लंबी कविता की नई होड़

महेंद्र राजा जैन वरिष्ठ हिंदी लेखक

महर्षि व्यास रचित महाभारत को हम सबसे लंबी कविता कह सकते हैं। महाभारत में 18 लाख से अधिक शब्द और एक लाख से अधिक श्लोक हैं। इसकी तुलना होमर के इलियड (800 ईसा पूर्व) से की जाती है, जो महाभारत से दस गुना बड़ा है। दुनिया की अन्य लंबी कविताओं में गिलगमेश (2000 ई.पू.), होमर की ओडिसी (800 ई.पू.), वर्जिल (19 ई.पू.), ओविड (18 ई.) और फ़िरदौसी की शाहनामा (11वीं सदी) को भी रखा जाता है। अंग्रेजी में सबसे लंबी कविता अमेरिका के नाइजेल टॉम की माई ब्लाह स्टोरी मानी जाती है, जिसमें 23,161 पंक्तियां हैं, जबकि प्राचीन अंग्रेजी महाकाव्यात्मक कविता बोवुल्फ में केवल 3,000 पंक्तियां हैं। आधुनिक काल में रोमानिया के आंद्री घेओरघे का दावा है कि उसने ट्विटर पर विश्व की सबसे लंबी कविता लिखी है, जिसमें 3,64,000 छंद हैं और हर छंद में 20 पंक्तियां हैं। यह महाभारत से चार गुनी और इलियड व ओडिसी को मिलाकर 40 गुनी लंबी और दांते की डिवाइन कॉमेडी से 20 गुनी लंबी है। वैसे लंदन के डेली टेलीग्राफ ने इसके कुछ अंशों को मात्र साधारण तुकबंदी माना है और कहा है कि यह कथित सबसे लंबी कविता वास्तव में उतनी लंबी नहीं है, क्योंकि यह न तो पढ़ी जा सकती है और न इसका कुछ अर्थ निकलता है। यह तो केवल शब्दों का जुगाड़ मात्र है, यानी 'कहीं की ईंट कहीं का रोड़ा'। इसके उलट फ्रेंच कवि पेट्रिक ह्यूएत द्वारा एक किलोमीटर लंबे कपड़े पर लिखी गई कविता को आधुनिक काल की सबसे लंबी कविता माना जा सकता है, जिसे उन्होंने अगस्त 2006 में शेम्पियर कार रेस ट्रेक पर बिछाया था। निश्चय ही उसे पढ़ने की अपेक्षा उस पर कार चलाते हुए फर्राटे भरने में प्रतियोगियों को अधिक आनंद आया होगा। हिंदी में वैसे तो लंबी कविताओं की कमी नहीं है- राम की शक्ति पूजा और सरोज स्मृति (निराला), असाध्य वीणा (अज्ञेय), परिवर्तन (सुमित्रानंदन पंत) को हिंदी की श्रेष्ठ लंबी कविताओं में गिना जा सकता है। वाणी प्रकाशन ने धर्मवीर भारती की कुछ लंबी कविताएं शीर्षक से पुस्तक रूप में प्रकाशित की हैं। उज्जैन के विकलांग आरिफ मोहम्मद ने हिंदी का गौरव गान शीर्षक से 1,650 पंक्तियों की लंबी कविता लिखी है। हरियाणा के 11 वर्षीय अंकुश सैनी को सबसे कम उम्र का सबसे लंबी कविता लिखने वाला कवि कहा जा सकता है, जिसने देशभक्ति पर 12,800 शब्दों (1,689 पंक्तियां) में ऐसा मेरा हिन्दुस्तान शीर्षक कविता लिखी, जो पुस्तक रूप में प्रकाशित हो चुकी है। हरियाणा की ही 14 वर्षीया साक्षी रावल ने देशभक्ति पर ही 17,266 शब्दों (2,104 पंक्तियां) में भारत की बेटियां शीर्षक कविता लिखी है, जो दो महीने पहले ही प्रकाशित हुई है। आधुनिक काल में हिंदी में विश्व की सबसे लंबी कविता संभवत: राजकुमार चंदन की दस हजार अक्षरों वाली गजल को माना जा सकता है। सात वर्ष में लिखी गई इस एक गजल में 10 हजार अशआर, 400 मकते, 20 हजार मिसरे, 60 हजार नुक्ते, एक लाख, 20 हजार लफ्ज और 40 हजार हर्फ हैं। इन्हें अगर एक साथ पुस्तक रूप में प्रकाशित किया जाए, तो सामान्य आकार की 1,700 पृष्ठों की किताब बनेगी। उन्होंने अपनी इस लंबी गजल को विश्व शांति और सद्भावना को समर्पित किया है। बांग्ला में शंख घोष की गंधर्व कविता गुच्छ सबसे लंबी कविता मानी जाती है। इसकी भूमिका के अनुसार, 'इसकी 36 कविताएं वास्तव में एक ही कविता है, जो अपने को परत-दर-परत खोलती है'। लेकिन यह उन लंबी कविताओं में से नहीं है, जिनका बांग्ला कविता में फैशन है। कविता की लंबाई महत्वपूर्ण नहीं होती, महत्वपूर्ण होता है एक कालक्रम के धरातल पर विचारों और अनुभवों का एक श्रृंखला में उतरना। कोई भी कविता अपने आकार से महान नहीं बनती, वह अपनी अंतर्वस्तु, अपने भाव और अपनी रचनात्मकता के कारण महान बनती है। गिनीज बुक जैसे प्रयासों से तरह-तरह के रिकॉर्ड बनाने की जो होड़ पूरी दुनिया में मची है, उससे कविता भी नहीं बच पाई है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कनाडा की मांग पर भड़का सऊदी अरब, उठाया ये कड़ा कदम

यूएई।

कनाडा की रियाद में गिरफ्तार किए गए नागरिक अधिकार कार्यकर्ता की रिहाई की मांग पर भड़के सऊदी अरब ने कड़ा कदम उठाते हुए राजधानी रियाद में कनाडा के उच्चायुक्त को वापस भेज दिया है और टोरॉटो में मौजूद अपने राजदूत को बुला लिया है। सऊदी ने कनाडा के साथ सभी नए व्यापार और निवेश पर भी रोक लगा दी है। सऊदी अरब ने कनाडा की इस मांग को उसके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बताया है। सऊदी ने कनाडाई उच्चायुक्त को देश छोड़ने के लिए 24 घंटे का समय दिया है। सऊदी का यह कदम शहजादे मोहम्मद बिन सलमान की आक्रामक विदेश नीति का नमूना माना जा रहा है। हाल ही में सऊदी अरब ने बड़ी कार्रवाई के तहत कई नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं को जेल में डाल दिया था। कनाडा ने इन कार्यकर्ताओं की तुरंत रिहाई की मांग की थी। बीते हफ्ते कनाडा ने कहा था कि वह सऊदी में महिलाओं और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की एक नई लहर पर बेहद चिंतित है। गिरफ्तार किए गए कार्यकर्ताओं में पुरस्कार पा चुकीं जेंडर राइट ऐक्टिविस्ट समर बादवी भी शामिल हैं। बादवी को उनकी सहयोगी प्रचार नसीमा अल-सदाह के साथ बीते हफ्ते गिरफ्तार किया गया था। सऊदी सरकार ने हाल के दिनों में महिला अधिकार कार्यकर्ताओं पर कई कार्रवाई की हैं। सऊदी विदेश मंत्रालय ने कनाडाई बयान पर गुस्सा भी जाहिर किया। विदेश मंत्रालय ने ट्वीट किया, कनाडा के बयान में तुरंत रिहाई का इस्तेमाल दो देशों के संबंधों में बहुत दुर्भाग्यपूर्ण, गलत और अस्वीकार्य है।

इमरान खान आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने आज इमरान खान को आधिकारिक तौर पर प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर नामित कर दिया। क्रिकेटर से नेता बने खान की पार्टी 25 जुलाई को हुए आम चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी थी। डॉन न्यूज के मुताबिक, यहां एक होटल में हुई की संसदीय समिति की बैठक में खान को नामित किया गया। चैनल ने बताया कि गत सप्ताह चुनावों में पार्टी की जीत के बाद वह पहली बार बानी गाला स्थित अपने आवास से निकले। गाड़ियों के बड़े काफिले के साथ चलने से इंकार करने के बावजूद उनके साथ बड़ी संख्या में कारें थी और उन्हें भारी सुरक्षा मुहैया कराई गई थी। खबरों के अनुसार पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है लेकिन यह 14 अगस्त को देश के स्वतंत्रता दिवस के दिन हो सकता है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में कुल 342

सदस्य होते हैं जिनमें से 272 सीधे निर्वाचित होकर आते हैं। कोई भी पार्टी तभी सरकार बना सकती है जब उसके पास कुल 172 सीटें हो। सहयोगियों और आरक्षित सीटों के साथ नैशनल असैंबली में पार्टी की सीटों की संख्या 174 पर पहुंच जाएगी।

अमरीकाः न्यू मैक्सिको में आतंकियों से छुड़वाए 11 बच्चे

वॉशिंगटन।

न्यू मैक्सिको में पुलिस ने आतंकियों के कब्जे से 11 बच्चों को छुड़ाया है। बताया जा रहा है कि आतंकियों ने कई महीनों से बच्चों को बंधक बना कर रखा हुआ था। इस आतंकी गिरोह का तब खुलासा हुआ जब अमरीका के न्यू मैक्सिको राज्य की पुलिस एक तीन साल के बच्चे के खोने के बाद छापे मारी कर रही थी। पुलिस जब बच्चे की तलाश करते हुए न्यू मैक्सिको की एक जर्जर इमारत में छापा मारने पहुंची तो एक से 15 साल की उम्र के 11 बच्चे बुरी हालात में मिले। पुलिस ने उन्हें छुड़ा लिया है। पुलिस ने बताया कि परिसर में आतंकी विचारधारा मानने वाले कई सशस्त्र लोग रह रहे थे। न्यू मैक्सिको के ताओस काउंटी के शेरिफ कार्यालय के अनुसार, तीन साल के अगवा बच्चे की खोज में एक महीने से चल रहे तलाशी अभियान के दौरान पुलिस को दो सशस्त्र व्यक्ति और ये बच्चे मिले। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह बच्चे बेहद दयनीय हालत और गरीबी में रह रहे थे। लड़के की मां ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा अपने पिता सिराज वहाज (39) के साथ गत दिसंबर में पार्क गया था और वापस नहीं लौटा। तीन अगस्त की सुबह कई अधिकारियो ने पूरे दिन अभियान चलाकर एक इमारत पर छापा मारा और एआर-15 राइफल, पांच 30 राउंड की मैगजीन और चार पिस्तौल के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जिनमें से एक वहाज है। हैरान करने वाली बात यह रही कि टीम ने कुल पांच किशोऔर 11 बच्चों को बरामद किया जो बेहद दयनीय हालत में रह रहे थे तथा उनके खाने-पीने की भी ठीक से व्यवस्था नहीं थी। बच्चों की मां मानी जा रही तीन महिलाओं को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। हालांकि बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया।

इंडोनेशिया में जबरदस्त भूकंप से 91 की मौत, 200 से अधिक घायल

जकार्ता।

इंडोनेशिया में लोंबोक द्वीप पर रविवार को आए 7.0 तीव्रता के भूकंप में कम से कम 91 लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा निवारण एजेंसी ने सोमवार को कहा कि भूकंप में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 91 हो गई है। एजेंसी के अनुसार, ज्यादातर मौत मलबा गिरने की वजह से हुई। भूकंप में सैंकड़ों घायल हो गए और हजारों घर क्षतिग्रस्त हो गए। एजेंसी के प्रवक्ता सुतोपो पुरवो नुगरोहो ने बताया कि भूकंप के कारण लोगों में काफी दहशत फैल गई और लोग घरों तथा इमारतों से निकलकर बाहर भागने लगे। रात भर बिजली कटी रहने के कारण राहत तथा बचाव कार्यों में काफी दिक्कतें

आई जिसकी वजह से राहतकर्मियों को घटना वाले क्षेत्रों में जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि मृतकों की संख्या में और इजाफा हो सकता है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार लोंबोक में भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। स्थानीय मीडिया के अनुसार लोंबोक के ज्यादातर क्षेत्रों में भूकंप के बाद बिजली गुल हो गई थी। लोंबोक और उसके पड़ोसी द्वीप बाली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों की इमारत को भी भूकंप के मामूली क्षति पहुंची लेकिन उड़ानों सेवाओं का परिचालन जारी रहा। एजेंसी ने भूकंप के बाद सूनामी की चेतावनी जारी की थी और लोगों से समुद्र से दूर रहने की अपील की था लेकिन सुनामी को चेतावनी को बाद में वापस ले लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

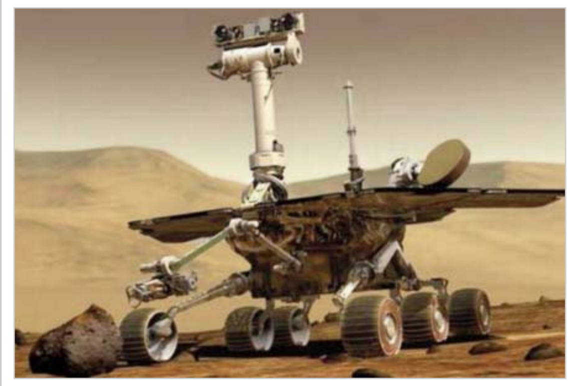

नासा के क्यूरियोसिटी रोवर यान के मंगल पर 6 साल पूरे

वाशिंगटन। अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के 17 कैमरों और उन्नत उपकरणों से लैस कार के आकार वाले इस यान क्यूरियोसिटी रोवर ने मंगल ग्रह पर अपने छह साल पूरे कर लिए हैं। इस यान को मंगल पर जीवन की संभावनाएं तलाशने के लिए नवंबर, 2011 में लांच किया गया था। छह अगस्त, 2012 को यह लाल ग्रह पर उतरा था। अपनी छठी वर्षगांठ पर रोवर ने ट्वीट किया, मैंने छह साल पहले मंगल की सतह को छुआ था। लाल ग्रह पर अपने उतरने की छठी सालगिरह मैं यहां मौजूद आयरन ऑक्साइड के साथ मना रहा हूं। उल्लेखनीय है कि आयरन ऑक्साइड की वजह से ही मंगल लाल है। 2013 में अपनी पहली सालगिरह के मौके पर रोवर ने अपने उपकरणों की मदद से हैप्पी बर्थडे भी गाया था।क्यूरियोसिटी ने अपने अनुसंधान के दौरान मंगल पर पानी की खोज के साथ सल्फर, ऑक्सीजन, कार्बन और नाइट्रोजन आदि के नमूने भी इकट्ठे किए हैं। 2015 में इसने वहां जैविक अणुओं की भी खोज की थी। फिलहाल यह लाल ग्रह पर चल रही धूल भरी आंधी की जांच कर रहा है। मंगल पर 20 जून से ही धूल भरी आंधी चल रही है। इसकी वजह से नासा का मंगल पर मौजूद अपने एक अन्य रोवर अपॉरच्युनिटी से संपर्क टूट गया है। क्यूरोसिटी धूल की चादर के भीतर से भी नमूने इकट्ठे कर रहा है। जुलाई में नासा ने कहा था, परमाणु ऊर्जा से संचालित इस रोवर में कई उपकरण लगे हैं जो धूल की मात्रा और उसके कणों के आकार का पता लगा सकते हैं। खगोलविदों के मुताबिक क्यूरियोसिटी द्वारा इकट्ठा की गई जानकारी मंगल पर मानव को भेजने में अहम साबित होगी।

अमरीका में सिख से मारपीट, कहा- अपने देश वापस जाओ

न्यूयॉर्क। अमरीका में भारतीय के ससाथ फिर स्लीय भेदभाव का मामला लामने आया है। कैलिफॉर्निया में दो श्वेत लोगों ने नस्लीय टिप्पणी करते हुए 50 वर्षीय सिख व्यक्ति के साथ कई बार मारपीट की और कहा, 'तुम्हारा यहां स्वागत नहीं है। अपने देश वापस जाओ।' अधिकारियों ने बताया कि पुलिस इस जघन्य घृणा अपराध की जांच कर रही है। समाचार पत्र द सैक्रोमेंटो बी ने पुलिस के हवाले से बताया कि यह घटना पिछले हफ्ते कैलिफॉर्निया में केयेस और फुटे रोड चौराहे पर हुई। स्टॉनिसलॉस काउंटी के शेरिफ ऐडम क्रिस्टियनसन ने कहा कि इस हमले की घृणा अपराध के तौर पर जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, 'सिख समुदाय के एक सदस्य के खिलाफ यह घृणित अपराध है।' शेरिफ सर्जेंट टॉम लेत्रास ने बताया कि पीड़ित स्थानीय प्रत्याशी के प्रचार के लिए कुछ लगा रहा था तभी दो श्वेत व्यक्तियों ने उसकी पिटाई की। पिछले कुछ वर्षों में कैलिफॉर्निया में सिख समुदाय के खिलाफ घृणा अपराध बढ़ गए हैं। इस राज्य में सिखों की सबसे बड़ी आबादी रहती है।

शॉपिंग मॉल की पार्किंग में गिरा विमान, 5 की मौत

वॉशिंगटन। अमरीका के कैलिफोर्निया में रविवार को एक शॉपिंग मॉल की पार्किंग में विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सांता एना सिटी में हुए इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। शिन्हुआ एजेंसी के मुताबिक, रविवार को डबल इंजन का छोटा विमान साउथ कोस्ट प्लाजा शॉपिंग सेंटर के पास क्रैश हो गया। सिटी न्यूज ने बताया कि विमान शॉपिंग सेंटर की पार्किंग में जा गिरा। अधिकारियों के मुताबिक, ये विमान पूर्वी तट से कोनकोर्ड शहर की तरफ जा रहा था। इसी बीच में कुछ तकनीकी खराबी आ गई। पायलट ने इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन वह कामयाब नहीं हो पाया। घटनास्थल पर मेडिकल की टीम पहुंच चुकी हैं।

फ्रेंडशिप डे पर अमरीका ने शोले स्टाइल में जताई भारत से दोस्ती

लॉस एंजलिस। हाल ही में भारत और अमरीका के बीच संबंधों में काफी प्रगति हुई है।इसी की मिसाल फ्रेंडशिप डे पर देखने को मिली जब अमरीका ने भारत से ऐसे खास में अपनी दोस्ती का इजहार किया कि दुनिया हैरान रह गई। भारत स्थित अमरीकी दूतावास ने 'शोले' फिल्म के गाने 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे' की मिसाल देते हुए फ्रेंडशिप डे पर भारत को मुबारकबाद दी है। इसके साथ ही अमंरीकी दूतावास ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हाथ मिलाते हुए फोटो भी ट्वीट की है। इसमें दोनों नेता हंसते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक दिन पहले ही अमरीका ने भारत को 'रणनीतिक व्यापार अधिकार-पत्र-1' (एसटीए-1) का दर्जा दिया है। अभी तक यह दर्जा एशिया में सिर्फ जापान और दक्षिण कोरिया के पास ही था। गौरतलब है कि दोस्ती के मामले में भारतीय सिनेमा की यादगार फिल्म शोले के जय-वीरू की मिसाल अक्सर दी जाती है।

बांग्लादेश में अमरीकी राजदूत के काफिले पर हमला

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में कुछ हथियारबंद लोगों ने अमरीकी राजदूत की कारों के काफ़िले पर हमला कर दिया है। एक अमरीकी अधिकारी के अनुसार हमले में अमरीकी राजदूत मार्सिया बर्निकेट और उनके सुरक्षा बलों को किसी तरह की चोटें नहीं आई हैं लेकिन काफ़िले की दो कारों को नुकसान पहुंचा है। बांग्लादेश में बीते कई दिनों से हज़ारों छात्र और स्कूलों के बच्चे सुरक्षित सड़कों की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बांग्लादेश की सरकार ने इनको रोकने के लिए बीते रविवार को आंसू गैस का प्रयोग किया गया। इसके अलावा सड़कों पर हथियारबंद लोगों द्वारा किए जा रहे हमलों में अब तक 50 प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। मीडिया के मुताबिक़ सत्तारूढ़ पार्टी से जुड़े हुए राजनीतिक समाजसेवी उनके दफ़्तरों की ओर मार्च करते हुए छात्रों को पीट रहे हैं। विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्र सवाल पूछ रहे हैं कि शनिवार को प्रदर्शनकारियों पर हमला क्यों किया गया जिसमें दर्जनों लोग घायल हुए थे। अमरीकी राजदूत बर्निकेट ने इस हिंसा की निंदा की है। अमरीकी दूतावास ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर लिखा है, शांतिपूर्ण ढंग से अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करने वाले हज़ारों युवाओं पर बर्बर हमलों को किसी तरह से सही नहीं ठहराया जा सकता है।

तिब्बत में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रॉकेट तैनात कर सकता है चीन, भारत के लिए खतरा

नई दिल्ली।

चीन आए दिन ऐसी गतिविधियां कर रहा है जो भारत के लिए चिंता का कारण बन सकती हैं। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चीन तिब्बत क्षेत्र में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापुल्ट (प्रक्षेपक) तकनीक से लैस रॉकेट तैनात करने की योजना बना रहा है। यह रॉकेट कम ऑक्सीज़न और कम विजिबिलटी वाली जगहों पर भी मार करने में कारगर होगा। इतना ही नहीं यह ऊंचाई वाले इलाकों में 200 किलोमीटर तक मार करने में भी सक्षम होंगे। चीनी रिसर्चर हान हुनली के मुताबिक पिछले कुछ समय में दक्षिण-पश्चिमी बॉर्डर क्षेत्र में जो घटनाएं हुई हैं उनको देखते हुए यह फैसला लिया गया है। हालांकि कि चीन ने खुलकर भारत का नाम नहीं लिया लेकिन माना जा रहा है कि ड्रेगन का इशारा डोकलाम की तरफ भी है। हुनली ने कहा कि चीन के आसपास पहाड़ी क्षेत्र हैं जहां पर हथियार पहुंचान मुश्किल हो रहा था लेकिन अब इस नई तकनीक वाले रॉकेट से कोई दिक्कत नहीं होगी क्योंकि इससे बहुत सटीक निशाना लगेगा।

इस रॉकेट को राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पसंदीदा फोर्स को सौंपा जाएगा। वहीं चीन भारत को भी हल्के में नहीं लेना चाहती इसलिए वो अपनी फोर्स को और मजबूत कर रही है। उल्लेखनीय है कि 73 दिन चले डोकलाम विवाद को भारत और चीन ने कूटनीतिक बातचीत के जरिए सुलझाया था। इस विवाद के चलते दोनों देशों की सेनाएं कई दिनों तक आमने-सामने डटी रही थीं।

जल्द मिलेंगी भारत को 400 आधुनिक तोपें, होंगी पाक-चीन सरहदों पर तैनात

नई दिल्ली।

पाकिस्तान और चीन की सरहद पर भारत आधुनिक तोपें तैनात करेगा। इसके लिए भारतीय सेना को इस समय 400 से भी ज्यादा तोपों की जरूरत है। पाक-चीन सीमाओं पर तैनात की जाने वाली तोपें हर मौसम में कारगर साबित होंगी । इन्हें अत्यधिक ऊंचाई से लेकर रेगिस्तान या फिर बर्फीले पहाड़ों पर तैनात किया जाएगा। भारतीय सेना के बेड़े में शामिल हो रही सभी तोपें मेक इन इंडिया के तहत तैयार की जा रही हैं। भारतीय सेना को 145 तोपों को मिलने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा गया है। मई 2018 में धनुष 155/45 कैलिबर वाली तोप का यूजर ट्रायल पोखरण में हो चुका है।आर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड को कहा गया है कि 114 तोपों को जल्द तैयार करके भारतीय सेना को सुपुर्द करे। के-9 वज्र 155 एमएम /52 कैलिबर की होवित्जर तोप है। इसे साउथ कोरिया तैयार करके 100 की संख्या में भारतीय सेना को देगा। इसीलिए मेक इन इंडिया के तहत एलएनटी कंपनी पार्टनरशिप के तहत 2019 नवंबर तक इसे तैयार करके देगी।पहली 10 तोप नवंबर 2018 तक आनी है। इसके बाद 40 तोप 2019 के नवंबर महीने तक और उसके बाद 2020 तक भारतीय सेना को मिलेंगी। अमरीका के साथ काफी हल्के वजन वाले 145 होवित जर तोपों रू77 के सौदे के बाद 2 तोपें भारत आ चुकी हैं। वहीं 2019 के मार्च से लेकर 2021 के जून के बीच हर महीने 5-5 तोपें आएंगी। अल्ट्रा लाइट होवित्जर तोपों को भारत में चीन की सीमा के निकट और अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। एटीएजीएस डीआरडीओ द्वारा तैयार की जा रही आर्टिलरी गन है जिसे भारत फोर्स के साथ मिलकर तैयार किया जा रहा है। इसकी रेंज 45 किलोमीटर है और एक जगह से दूसरे जगह आसानी से ले जाया सकता है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिल इस प्रोजेक्ट में तेजी लाने के साथ जल्द ही 2019 के खत्म होने से पहले भारतीय सेना में शामिल होने को कहा है।

12 अरब डॉलर में दांव पर लगी पाकिस्तान की इज्जत, बर्बादी का कांउटडाऊन शुरू

पेशावर। गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे पाकिस्तान की इज्जत अब लोन के सहारे टिकी हुई लगती है । अगर पाक को 6 हफ्ते के भीतर 12 अरब डॉलर का लोन नहीं मिला तो देश की बर्बादी तय है और इसका कांउटडाऊन शुरू हो चुका। इमरान की होने वाली कैबिनेट में वित्त मंत्री के दावेदार असद उमर ने कहा कि पिछली सरकार ने देश को गंभीर आर्थिक संकट में छोड़ दिया है। पाकिस्तानी कंपनी एंग्रो कॉरपोरेशन के पूर्व प्रमुख रहे असद उमर ने कहा कि देश में 10 से 12 अरब डॉलर की गंभीर वित्तीय संकट है। एक समाचार एजेंसी से बातचीत में असद उमर ने कहा कि सिर्फ इतना ही नहीं, देश चूंकि बिल्कुल कगार पर खड़ा है, इसलिए नई सरकार को इसे संभालने के लिए कुछ अतिरिक्त रकम की भी जरूरत होगी। उमर ने कहा, पाकिस्तान को अगले छह हफ्तों के भीतर ही कई निर्णय लेने होंगे. जितनी ही देर होगी, कठिनाई उतनी ही बढ़ जाएगी. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान मदद के लिए आईएमएफ, दोस्त देशों से बात करेगा. इसके अलावा डायस्पोरा बॉन्ड भी जारी किए जाएंगे। गौरतलब है कि इमरान खान पाकिस्तान के पीएम बनने की तैयारी तो कर रहे हैं, लेकिन वहां की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती है। कई निवेशकों और जानकारों को लगता है कि अगर चीन और आईएमएफ ने राहत पैकेज नहीं दिया तो पाकिस्तान को संभालना मुश्किल होगा। गौरतलब है कि 1980 के दशक से अब तक आईएमएफ पाकिस्तान को 12 बार आर्थिक कार्यक्रमों के द्वारा मदद कर चुका है. पिछली बार ही आईएमएफ ने करीब 6.6 अरब डॉलर का राहत पैकेज दिया था और लगभग इतना ही कर्ज चीन भी दे चुका है।

रिसर्चः गणित छात्रों की बैठने के अंदाज से बदलती है सवाल हल करने की क्षमता

सिडनी।

गणित के छात्रों के लिए एक ऐसी खबर आई है जिसके बारे में जानकर वे चौंक जाएंगे। सैन फ्रांसिस्को यूनिवर्सिटी में हाल में हुए एक शोध में सामने आया है कि अगर गणित का कोई मुश्किल सवाल हल नहीं हो रहा हो, तो जरा शरीर की पोजिशन बदलकर देखिए। ऐसा करने से सवाल के हल होने की संभावना 50 तक बढ़ जाएगी। सैन फ्रांसिस्को यूनिवर्सिटी ने पढ़ाई और शरीर के पॉश्चर के बीच संबंध का पता लगाने के लिए करीब एक हजार छात्रों पर रिसर्च की। इन सभी छात्रों को गणित के कुछ सवाल हल करने के लिए दिए गए। देखा गया कि सवाल हल करते-करते कुछ ही देर में छात्रों के शरीर का पॉश्चर बदलने लगता है। कुछ अपनी पीठ बिल्कुल सीधी करके बैठने लगे तो कुछ कुर्सी के बिल्कुल आगे खिसककर बैठ गए। कई छात्र तो खड़े ही हो गए। कुछ ऐसे भी थे जो मेज पर झुककर सवाल हल कर रहे थे। टेस्ट खत्म होने के बाद 56त्न छात्रों ने माना कि खड़े होकर सवाल हल करने में उन्हें आसानी महसूस हुई। इसका कारण है- एक्टिव और पैसिव ब्रेन यानी सक्रिय और कम सक्रिय दिमाग। शरीर के पॉश्चर का दिमाग की रफ्तार पर सीधा असर पड़ता है। लेटकर या आरामतलब होकर पढ़ाई करने से दिमाग की सक्रियता कम होती है। शरीर की मुद्रा सुधारने पर ये सुधरती है। दफ्तरों में भी अगर खड़े होकर काम किया जाए तो नतीजे में 40त्न तक का सुधार होता है। इसी वजह से यूरोपीय देशों में स्टैंडिंग ऑफिस का कल्चर बढ़ रहा है। शोध टीम में शामिल प्रोफेसर एरिक पेपर बताते हैं कि अगर बच्चे लंबी देर तक बैठकर पढ़ रहे हैं, तो उन्हें हर 30 मिनट में कुछ देर के लिए खड़े होकर भी पढ़ना चाहिए। ऐसा करने से बेहतर नतीजा आने की संभावना तो बढ़ती है। किसी विषय के स्टीरियोटाइप थ्रेट से जूझ रहे बच्चों के लिए ये नतीजा खासा कारगर है। स्टीरियोटाइप थ्रेट यानी किसी चीज का दिल में डर या झिझक बैठ जाना। यानी जो छात्र किसी खास विषय का नाम सुनकर ही घबरा जाते हैं, उनको खड़े होकर पढ़ने की कोशिश करें। शोधकर्ताओं ने कहा कि-

फोकस और क्रिएटिविटी को बढ़ाने के लिए ही संगीतकार धुन तैयार करने का काम अक्सर खड़े होकर ही करते हैं। भीड़ को संबोधित करते समय खड़े रहने का कॉन्सेप्ट भी यहीं से निकला है, ताकि इंसान बोलते समय घबराए नहीं।

पांडेसरा में 20 साल के लड़के को चाकूओं से गोदा

सूरत। पांडेसरा के गनपत नगर में हुआ एक दिल दहला देने वाला हादसा २० साल के लड़के को चाकू मारने की वारदात सामने आई है। शाम ७ बजे का ये हादसा था। पूरा रास्ता भीड़ से भरा हुआ था।

किसी अज्ञात द्वारा प्रिंस मेडिकल के सामने चाकू मार दिया लड़के का नाम अजय साहनी उम्र २० साल काम सिम कार्ड बेचने का चाकू उसके पेट और हाथ में लगा है ।

लड़के को १०८ मै सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया लड़का की हालत गंभीर है। पुलिस भी मौके वारदात पे पहुंच के सर्च ऑपरेशन चालू कर दिया है। लड़का हरी ओम नगर में रहता था।

पुलिस को मिली कामयाबी अपराधी पकड़ा गया।

पांडेसरा पुलिस को मिली कामयाबी वारदात होने के २ घंटे के अंदर अपराधी पकड़ा गया । अपराधी नाबालिक है। पुलिस ने बताया कि इनके बिच आपसी झगड़े थे जिसकी वजह से ये हुआ है । पिछली गणपति में इनके बीच मारा मारी हुई थी जिसके चलते ये वारदात हुई है।

एएमसी, पुलिस और ट्राफिक बैठक आयोजित की

शहर में ५ नये मल्टीलेवल पार्किंग अब कराये जायेंगे

हाईकोर्ट सूचना के बाद प्रशासन के अधिकारी ने बैठक अब रिक्शाचालकों विरूद्ध अभियान चलाये ऐसी संभावना

अहमदाबाद । गुजरात हाईकोर्ट ने सोमवार को आवारा पशु, अवैध पार्किंग, खराब रास्तों के केस की सुनवाई के दौरान शहर में पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था करने के लिए, रिक्शाचालकों को पार्किंग की जरूरी तालीम और मार्गदर्शन देने के लिए सहित के दिए गए निर्देश देने के बाद अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के उच्च अधिकारियों की पुलिस और ट्राफिक विभाग के अधिकारियों की एक महत्व की संयुक्त बैठक आयोजित की गई । जिसमें पार्किंग, शहरीजनों के लिए ट्रान्सपोर्टेशन सुविधा, रिक्शाचालकों को तालीम सहित के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया गया । इतना ही नहीं, हाईकोर्ट के निर्देश के पालन के तहत फिलहाल के समय में अहमदाबाद शहर में पांच नये मल्टीलेवल पार्किंग और ४८ अतिरिक्त पार्किंग प्लोट आवंटन कराने का तय किया गया । जिसकी वजह से शहरीजनों को आगामी दिनों में पार्किंग की ज्यादा जगह प्राप्त होगी । दूसरी तरफ, हाईकोर्ट की सूचना के बाद आरटीओ प्रशासन भी जैसे सक्रिय हो गया और आगामी दिनों में अब अंधाधुंध पार्किंग करने पर और अवैध तरीके से यात्रियों को बिठाते रिक्शाचालकों के विरूद्ध अभियान शुरू किया जाए ऐसी संभावना है । विशेष करके जो ऑटो रिक्शाचालक आरटीओ का कानूनी रजिस्ट्रेशन नहीं रखते है उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई होगी ऐसा माना जा रहा है । एक अनुमान के अनुसार, अहमदाबाद शहर में ८० हजार से ज्यादा रिक्शा अवैध तरीके से चल रही है तब यह अभियान काफी बड़ा और प्रभावी साबित होगा ऐसा है ।

हाईकोर्ट ने सोमवार को शहर में अभी रिक्शाचालकों के कारण हो रही ट्राफिक अव्यवस्था और परेशानी के मामले में बताते हुए पुलिस प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि, जरूरत हो तो रिक्शाचालकों को यात्रियों को रिक्शा में कहां से बिठाना, रिक्शा कहां पार्क करना यह सहित के मुद्दे पर तालीम और मार्गदर्शन देना चाहिए । रिक्शाचालकों को भी खुद जागरूकता लाकर शहर में ट्राफिक नियम और व्यवस्थित पार्किंग के अभियान में पूरा सहयोग देना चाहिए ।

डिमोलिशन ड्राइव से नाराज होने से पेशकश किया

फूटपाथवालों को कोर्ट के परिसर में हिरासत में लिया

सुनवाई के दौरान पेशकश को ध्यान में लिया जाएगा लेकिन इस प्रकार विरोध का तरीका योग्य नहीं : हाईकोर्ट

अहमदाबाद । शहर के लॉ गार्डन क्षेत्र सहित के कई क्षेत्रों में डिमोलिशन ड्राइव के दौरान एएमसी प्रशासन द्वारा तोड़ दिए गए अतिक्रमणों और निर्माणकार्यों को लेकर नाराज हुए लारी-गल्ला और फूटपाथवालों ने सोमवार को बड़ी संख्या में गुजरात हाईकोर्ट में पहुंचे थे लेकिन पहले से ही पुलिस को इस मामले की जानकारी मिल जाने पर परिसर से ही पुलिस ने ३५ से ज्यादा लारी-गल्लावाला और फूटपाथवालों को हिरासत में लिया गया । इस दौरान इस मामले में हाईकोर्ट को जानकारी मिलने पर हाईकोर्ट ने इसे गंभीर बताया था कि, केस की सुनवाई के दौरान उनकी पेशकश को ध्यान में लिया जाएगा लेकिन इस प्रकार से विरोध करने का तरीका योग्य नहीं है । शहर के खराब रास्तों, अवैध पार्किंग, आवारा पशु सहित के प्रश्नों के केस की सुनवाई सोमवार को गुजरात हाईकोर्ट में होनेवाली थी, तब लॉ गार्डन क्षेत्र सहित के कई लारी-गल्लावाला और फूटपाथवाले अपनी पेशकश करने के लिए हाईकोर्ट में गये थे । एएमसी प्रशासन की डिमोलिशन ड्राइव और अवैध पार्किंग के विरूद्ध पुलिस के अभियान को लेकर उनकी आजीविका छीन गई है और अब वह बहुत मुश्किल में आ गये है तब उनको हाईकोर्ट ने योग्य राहत देना चाहिए ऐसी पेशकश करना चाहते थे लेकिन उसके पहले ही पुलिस को जानकारी मिल जाने पर पुलिस ने ३५ से ज्यादा लारी-गल्लावाला और फूटपाथवालों को हिरासत में लिया गया । पुलिस के सख्त रवैये को लेकर दूसरे लारी -गल्लावाले वहां से फरार होने में सफल रहे । पुलिस ने लारी-गल्लावाला और फूटपाथवाला को हिरासत में लेने पर मामला बिगड़ गया था । इस दौरान यह पूरे मामले में हाईकोर्ट को जानकारी मिलने पर हाईकोर्ट ने इस प्रकार के रवैये को गंभीरता से लिया था और बताया गया था कि लारी-गल्लावाला या फूटपाथवाले की जो कोई पेशकश हो यह केस की सुनवाई के दौरान योग्य तरीके से द्वारा कर सकते है ।

अहमदाबाद शहर में फिलहाल में ट्राफिक पुलिस और कॉर्पोरेशन आक्रामक कार्रवाई कर रही है । इसके तहत ट्राफिक अभियान के तहत रास्ते पर अंधाधुंध रखनेवाले गाड़ियों को ट्राफिक द्वारा हाल में टोइंग किया जा रहा है ।

महिला को तुरंत मदद के लिए १८१ अभयम एप्लीकेशन

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने गुजरात की महिलाओं, मां, बहनों के लिए तेजी और सटीक सुरक्षा और तत्काल मदद सेवा के लिए अभिनव पहल १८१ अभयम मोबाइल एप का लॉन्चिग किया गया है । राज्य में कभी भी कोई भी समस्या में महिलाओं को कुछ ही सैकन्ड में ही मदद करने में यह एप्लीकेशन सहायक होगा। यह एप स्मार्ट फोन में गूगल प्लेस्टोर में से तथा एपल आईओएस पर से एप डाउनलोड किया जा सकता है । राज्य सरकार की महिला बाल कल्याण विभाग, गृह विभाग तथा महिला आयोग द्वारा १८१ अभयम मोबाइल एप जीवीके ई एम आर आई के सहयोग से विकसित की गई है । गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा, महिला बाल कल्याण मंत्री विभावरीबहन दवे तथा कई वरिष्ठ अधिकारी इस लॉन्चिग में उपस्थित हुए । विजय रुपाणी ने यह सेवा का कवरेज बढ़ाकर जरूरतमंद बहनों को तुरंत मदद सेवा मिले इसकी सूचना दी गई थी । यहां उल्लेखनीय है कि महिलाओं को घरेलु हिंसा सहित की विभिन्न प्रकार की हिंसा की घटना में तुरंत बचाव और सलाह-मार्गदर्शन के अलावा महिलालक्षी योजनाओं की जानकारी मिले इसके लिए '१८१ हेल्पलाइन' की सुविधा की उपलब्धि की आवश्यकता मालूम होने पर गुजरात सरकार की महिला और बाल विकास विभाग, राज्य महिला आयोग, गृह विभाग और जीवीके ईएमआरआई द्वारा संकलित रूप से '१८१ अभयम महिला हेल्पलाइन' ४ फरवरी २०१४ को यह सेवा तालीमबद्ध महिला काउन्सेलर के साथ ४५ रेस्क्यू वाहन सहित २४X७पूरे राज्य में कार्यरत है ।

कर्मचारियों को किसी के दवाब में आये बिना काम करे

आवारा पशुओं की समस्या के निराकरण लिए कार्रवाई करे : हमला करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई आदेश दिया

अहमदाबाद । शहर के खराब रास्तों, आवारा पशुओं के मामले में गुजरात हाईकोर्ट में चल रहे केस की सुनवाई के दौरान सोमवार को फिर एकबार जस्टिस एमआर. शाह और जस्टिस एवाय. कोगजे की खंडपीठ ने एएमसी प्रशासन की आवारा पशुओं की समस्या कायम रहने के मुद्दे पर भारी नाराजगी व्यक्त की है । हाईकोर्ट ने शहर में आवारा पशुओं की समस्या के निराकरण के लिए सरकार और एएमसी प्रशासन को प्रभावी कार्रवाई करने और आवारा पशु पकड़ने जाती एएमसी टीम पर हमला करने वालों के असामाजिक तत्वों के विरूद्ध सख्ती से कार्रवाई करने का आदेश दिया गया । इतना ही नहीं, शहर में अवैध अतिक्रमणों, निर्माणकाम और पार्किंग के विरूद्ध चल रहे डिमोलिशन और ट्राफिक ड्राइव के बारे में हाईकोर्ट ने बताया है कि, सरकार और एएमसी के कर्मचारी इस मामले में किसी भी दवाब में आये बिना कार्रवाई करे । हाईकोर्ट ने शहर में अभी रिक्शाचालकों के कारण हो रही ट्राफिक अव्यवस्था और समस्या के मामले में भी बताते हुए पुलिस प्रशासन को आदेश दिया है कि, इसके लिए जरूरत हो तो रिक्शाचालकों को यात्रियों को रिक्शा में कहां से बिठाना, रिक्शा कहां पार्क करना यह सहित के मुद्दे पर तालीम और मार्गदर्शन देना चाहिए । रिक्शाचालकों को भी खुद जागरूकता लाकर शहर में ट्राफिक नियम और व्यवस्थित पार्किंग के अभियान में पूरा सहयोग देना चाहिए । इस दौरान हाईकोर्ट ने एएमसी प्रशासन और सरकार के शासकों ने यह सलाह दी है कि, शहर में ट्राफिक की समस्या निराकरण करना तथा ट्राफिक नियम के लिए पब्लिक और ट्रान्सपॉर्ट सेवा ज्यादा प्रभावी, आसान और आकर्षक बनाया जाए । पब्लिक ट्रान्सपॉर्ट का उपयोग ज्यादा होगा उतनी ही ट्राफिक की समस्या आसान हो जाएगी । हाईकोर्ट ने शहर में आवारा पशुओं की समस्या का चाहिए इस प्रकार से निराकरण नहीं होने की गंभीर बात करके एएमसी काम के प्रति नाराजगी व्यक्त की थी ।

स्थानीय महत्वपूर्ण विकास कार्यों की सूची में संशोधन

गांधीनगर । राज्य सरकार द्वारा विधायकों के क्षेत्र में विकास कार्यों विकेन्द्रित जिला आयोजन कार्यक्रम के तहत ग्रान्ट आवंटित कराया जाता है । यह ग्रान्ट द्वारा स्थानीय महत्वपूर्ण वाले सामूहिक विकास कार्यों को किया जाता है । जिसके लिए मार्गदर्शिका में एक क्षेत्र में एक समान कार्यों को फिर से कार्य नहीं किया जाता जिसमें संशोधन करके कार्यों को फिर से करने के लिए तथा काम की जो ग्रान्ट निश्चित की गई थी इसमें भी वृद्धि की गई है, यह सामान्य प्रशासनिक विभाग की सूची में बताया गया है । सूची में आगे बताये अनुसार शहरी क्षेत्र के विधायकों की ग्रान्ट में से विकेन्द्रित जिला आयोजन कार्यक्रम के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए १० लाख रुपये की ग्रान्ट एक ही बार दिया जा सके ऐसा प्रावधान था यह मर्यादा दूर की गई है । जिसकी वजह से सभी विधायकों आंगनवाडी के कार्यों के लिए ७ लाख रुपये की सीमा में ग्रान्ट आवंटित किया जा सकेगा तथा शव को अग्निदाह देने के लिए लकड़ी, गोबर और चारा भरने के लिए प्रतिस्मशान चोकियात, स्मशान में रहने के लिए उपयोग नहीं करने की शर्त पर १ लाख रुपये की सीमा में रुम बनाने के लिए ग्रान्ट में वृद्धि करके २ लाख रुपये की गई है और ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिगांव एक पक्षी घर के निर्माण के लिए कार्यों को शामिल किया गया है । इसके अलावा विवेकाधीन और प्रोत्साहक प्रावधान की सूची में वोर्शीगघाट की उपलब्ध प्रावधान में स्नानघाट के निर्माण को शामिल किया गया है। प्राथमिक स्कूलों जिस स्कूल में केन्द्र सरकार की जलमती योजना के तहत आरओ प्लान्ट दिया गया हो इसके अलावा की सरकारी-महानगरपालिका-नगरपालिका-ग्रान्ट इन एइड प्राथमिक स्कूलों में प्रतिस्कूल आरओ. प्लान्ट की योजना के लिए ५० हजार या आरओ. प्लान्ट की कीमत दो में से जिस रकम कम हो इसकी सीमा में आरओ. प्लान्ट के कार्यों को शुरू किया जा सकेगा ।

एएमसी और पुलिस द्वारा ४० अवैध निर्माणकार्यों को हटाया

अहमदाबाद । गुजरात हाईकोर्ट का सख्त रवैया और महत्व के निर्देश बाद पिछले एक सप्ताह से एएमसी और पुलिस प्रशासन द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में डिमोलिशन ड्राइव और ट्राफिक पुलिस की मदद से प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है । जिसके तहत सोमवार को एएमसी प्रशासन के अधिकारी पुलिस स्टाफ की मदद से शहर के चंडोला तालाब, नारोल, ईसनपुर सहित के क्षेत्रों में पहुंचे थे और बड़े पैमाने पर डिमोलिशन ड्राइव चलाया गया। एएमसी प्रशासन ने इस क्षेत्रों में ४० से ज्यादा अवैध निर्माणकार्यों और अतिक्रमणों पर बुलडोजर चलाकर चंडोला तालाब से नारोल- ईसनपुर तक के दस किलोमीटर का पट्टा खुला किया गया । प्रशासन के कर्मचारियों ने यह क्षेत्रों में अवैध पार्किंग, अतिक्रमणों और निर्माणकार्यों पर बुलडोजर चलाने पर पूरे क्षेत्र में भारी खलबली मच गई थी। कई व्यापारियों और कई दुकानदार नाराज हो गये थे लेकिन अवैध निर्माणकार्यों और कई अतिक्रमण करने की वजह से प्रशासन की कार्रवाई का शिकार बनने के लिए मजबूर थे। सोमवार को ईसनपुर बाद एएमसी प्रशासन द्वारा पूर्व में हीरावाडी हाईवे भी सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमणों और रास्तों से सटे अवैध निर्माणकार्यों को हटाने की कार्रवाई शुरू की गई थी । सोमवरा सुबह से ही एएमसी प्रशासन के एस्टेट विभाग के अधिकारियों ने शहर के चंडोला तालाब से नारोल-ईसनपुर तक के दस किलोमीटर के पट्टे पर पहुंचने का तय किया

मगन झालावाडिया की ऑडियो क्लीप से खलबली

राजेश को कहकर मोदी को फोन करो, अपराध दर्ज मत करना

अहमदाबाद । राजकोट के जेतपुर के पेढला में मूंगफली में मिट्टी की मिलावट के सनसनी घोटाले में मुख्य सूत्रधार आरोपी सौराष्ट्र वेरहाउस कॉर्पोरेशन के मैनेजर मगन झालावाडिया ने इस केस में कोई शिकायत नहीं हो इसके लिए प्रयासों की तीन ऑडियो क्लीप वायरल होने पर भारी खलबली मच गई है । ऑडियो क्लीप में मगन झालावाडिया यह कहते हुए सुना है कि, राजेशभाई को कहकर मोदी को फोन करा दो, अपराध दर्ज नहीं करना है । इस तरह ऑडियोक्लीप में प्रधानमंत्री मोदी का दवाब लाकर केस को बंद करने की साजिश का पर्दाफाश होने पर गुजरात की राजनीति में भारी खलबली मच गई है। विपक्षी कांग्रेस ने भी यह ऑडियोक्लीप को लेकर भाजपा पर कड़े प्रहार किए । जेतपुर के पेढला मूंगफली घोटाले में पुलिस ने दो दिन पहले ही नाफेड के चेयरमैन भतीजा रोहित बोडा सहित २२ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था ।

महादेव मीडिया

रोहताश यादव 9924144499, 7015339195

वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)

हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।

304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com